Regarding border issues with China

श्री अनुराग सिंह ठाकुर **(**हमीरपुर**) :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण विषय सदन में उठाना चाहता हूं ।

जब से भारत आज़ाद हुआ, तब से हमारी सीमाओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी भारतीय सेनाओं की थी । ऐसी कौन-सी मजबूरी थी? अक्साई चीन का एरिया किसके समय में चीन ने हथिया लिया और उस समय किसकी सरकार थी? ? (व्यवधान) कब ?हिंदू-चीनी भाई-भाई? कहते रहे और पीठ पर छुरा घोंपने का काम किया था? ? (व्यवधान) तब किसकी सरकार थी और वे नेता कौन थे, जो डोकलाम की घटना के समय चाइना के अधिकारियों के साथ चाइनीज़ सूप पीते रहे और सेना के जवानों के साथ आकर खड़े नहीं हुए? वे कौन-सी फाउंडेशन है, जिससे चाइना के अधिकारियों द्वारा पैसा लिया गया और आज तक जवाब नहीं दिया गया? क्या राजीव गांधी फाउंडेशन ने वह पैसा लिया था? उन्होंने क्यों पैसा लिया था? ? (व्यवधान) किस काम के लिए पैसा लिया था? आज मोदी जी की सरकार में हम यह कह सकते हैं कि डोकलाम की घटना के समय भी भारत की सेना के जवानों ने चीन के सैनिकों का मुंहतोड़ जवाब दिया था । प्रधान मंत्री जी स्वयं सीमा पर भी गए और सेना का मनोबल बढ़ाया । ? (व्यवधान)

13.00 hrs

कुछ लोग चाइना के साथ मिलकर झूठे आरोप लगाते हैं और अपनी राजनीतिक रोटियां सेकते हैं । ये केवल राजनीति करते हैं । इनको कुछ मिलने वाला नहीं है । इनको जवाब देना होगा कि चाइना से राजीव गांधी फाउंडेशन ने पैसा क्यों लिया था? ? (व्यवधान)